1.2 लाख करोड़ रुपये के आसपास होगा जम्मू-कश्मीर का वित्त वर्ष 2020-21 का बजट। मौजूदा वित्तीय वर्ष 2019-20 के लिए 88.911 करोड़ रुपये का बजट मंजूर किया गया था। बजट को अंतिम मंजूरी 31 जनवरी को शुरू होने वाले संसद के बजट सत्र में ही मिलेगी।

कश्मीर में हिजबुल का आतंकी ढेर

मुठभेड़ ▸ सोमवार की रात को चुरसु गांव में अपने संपर्क सूत्र से मिलने पहुंचा था

सुरक्षाबलों ने शुरू की आतंकी के दो अन्य साथियों की तलाश

राज्य ब्यूरो, श्रीनगर

दक्षिण कश्मीर में अवंतीपोरा के एक गांव में अपने किसी संपर्क सूत्र से मिलने आए हिजबुल मुजाहिदीन के एक आतंकी को सुरक्षाबलों ने मंगलवार को मुठभेड़ में ढेर कर दिया। उसकी पहचान बिजबिहाड़ा के ईदगाह मोहल्ला निवासी शाहिद अहमद गदांजी के रूप में हुई है। उसके दो अन्य साथियों की धरपकड़ के लिए सुरक्षाबलों ने अभियान जारी रखा हुआ है। वर्ष 2020 में कश्मीर में सुरक्षबलों और आतंकियों के बीच यह पहली मुठभेड़ है, जिसमें एक आतंकी मारा गया।

पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि स्वचालित हथियारों से लैस आतंकियों का एक दल सोमवार को आधी रात के बाद अवंतीपोरा के साथ सटे चुरसु गांव में अपने किसी संपर्क सूत्र के पास आया था। इसका पता चलते ही पुलिस और सेना के संयुक्त कार्यदल ने आतंकियों को पकड़ने के लिए गांव की घेराबंदी की और तलाशी अभियान चलाया। मंगलवार तड़के सुरक्षाबलों ने आतंकियों को लाउडस्पीकर के जरिए कई बार सरेंडर करने के लिए कहा। इसके बावजूद वह गोलियां चलाते रहे। कुछ देर बाद उन्होंने हमला तेज करते हुए घेराबंदी तोड़कर भागने की कोशिश, लेकिन वह इसमें कामयाब नहीं हो सके। इस दौरान दोनों तरफ से करीब 20 मिनट तक गोलियां चलती रहीं। इसके बाद आतंकियों की तरफ से गोली चलना बंद हो गई। जवानों ने जब मुठभेड़ स्थल की तलाशी ली तो उन्हें वहां गोलियों से छलनी आतंकी शाहिद अहमद गदांजी का शव मिला।

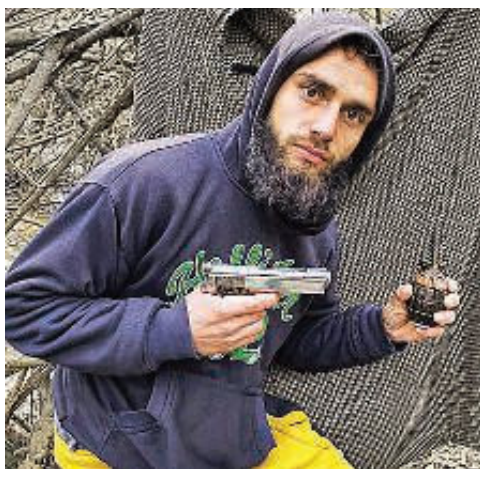
आतंकी शाहिद अहमद गदांजी। फाइल

दो आतंकी बच निकले : स्थानीय सूत्रों की मानें तो गांव में तीन आतंकी थे। एक मारा गया और दो बच निकले। हालांकि, पुलिस ने इससे इन्कार करते हुए कहा कि वहां एक ही आतंकी था जो मारा गया। इसके बावजूद पुलिस ने आतंकियों के छिपे होने की संभावना से इन्कार नहीं किया है। इसलिए चुरसु व उसके साथ सटे इलाके में एहतियात के तौर पर तलाशी अभियान जारी रखा गया है।

परिवार और इमाम की अपील पर भी नहीं पिघला : सुरक्षाबलों ने आतंकी शाहिद अहमद गदांजी को सरेंडर कराने के लिए उसके परिवार और इलाके के इमाम से अपील कराई। परिवार के लोगों और इमाम ने लाउड स्पीकर से शाहिद को सरेंडर करने के लिए कई बार कहा। इसके बावजूद वह गोलियां चलाता रहा। जब वह नहीं माना तो सुरक्षा बलों की जवाबी कार्रवाई में मारा गया। जरूरी औपचारिकताओं के बाद आतंकी के शव को उसके परिजनों के हवाले कर दिया गया।

हनीट्रैप में फंसे युवक ने गिरफ्तारी से पहले नष्ट किया सिमकार्ड

जागरण संवाददाता, जम्मू : पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आइएसआइ के हनीट्रैप में फंसे युवक के मोबाइल फोन को पुलिस ने जांच के लिए फोरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (एफएसएल) में भेज दिया है। वहीं, युवक ने पुलिस के हत्थे चढ़ने से पूर्व ही अपने सिमकार्ड को नष्ट कर दिया था। उसे जब पता चला कि वह पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी का शिकार हो चुका है तो उसने अपने मोबाइल फोन से सभी तस्वीरों को भी हटा दिया था। जब्त किए गए मोबाइल फोन से पुलिस इस बात की जानकारी हासिल करने में जुटी है कि युवक ने सीमांत इलाके के किन-किन संवेदनशील स्थलों की तस्वीरें अपने फोन से खींचकर अनजाने में पाकिस्तानी एजेंट को भेजी हैं। चूंकि यह मामला राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा है इसलिए पुलिस अधिकारी खुलकर कुछ भी नहीं बोल रहे।

पाक रेंजरों ने रेंज बढ़ाकर दागे गोले, कोई हताहत नहीं

जागरण संवाददाता, हीरानगर

- हीरानगर सेक्टर में लगातार हो रहा है संघर्ष विराम का उल्लंघन
- रात को बारिश के चलते लोगों को बंकरों में भी जाने का नहीं मिला मौका

कठुआ जिले में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर हीरानगर सेक्टर में पाकिस्तान पिछले करीब डेढ़ महीने से रात के समय लगातार गोलाबारी कर रहा है। सोमवार की रात को भी पाकिस्तानी रेंजरों ने सीमावर्ती गांवों में गोलाबारी के साथ मोर्टार भी दागे। गोलाबारी में कोई जानी नुकसान तो नहीं हुआ है, लेकिन लोगों के घरों को नुकसान पहुंचा है। कई घरों की छतें टूट गई हैं। वहीं, बारिश होने से लोगों की मुश्किलें और बढ़ गई हैं।

हीरानगर सेक्टर में सुरक्षाबल के जवान डिच यानी सुरक्षा बांध बना रहे हैं। जब से यह काम शुरू किया है तब से भी पाकिस्तानी रेंजर बौखलाहट में सीजफायर का उल्लंघन कर रहे हैं।

पाकिस्तानी रेंजरों ने सोमवार आधी रात को अपनी ओर के पप्पू चक व करोल पंगा इलाकों से गोलीबारी शुरू कर दी। इस दौरान 82 एमएम मोर्टार के गोले दागे गए। एक गोला भारतीय क्षेत्र में करोल माथरियां गांव के उत्तम चंद के घर के पास सड़क पर गिरा, जिससे उसके मकान को क्षति पहुंची। करोल बीजो गांव के पास भी गोले गिरे हैं। मंगलवार की सुबह बीडीसी चेयरमैन करण कुमार ने दोनों गांवों का दौरा कर हालात का जायजा लिया। पंच रतन चंद, उत्तम चंद ने बताया कि रात को बारिश हो रही थी। रात साढ़े 12 बजे अचानक गोलाबारी के चलते लोगों को बंकरों के अंदर जाने का मौका भी नहीं मिला। उन्होंने बताया कि पाकिस्तानी रेंजर पहले 51 एमएम मोर्टार के गोले चलाते थे जो गांव के अंदर नहीं पहुंचते थे। ऐसे में अब उन्होंने रेंज बढ़ा दी है। इससे गोले करोल माथरियां से एक किलोमीटर पीछे करोल विद्दो में भी गिरे।

> करोल माथरियां के जिस बंकर की छत टपक रही है, उसे ठीक करवाने के लिए कहा गया है। वहीं, जिनके घरों में बंकर निर्माण के लिए जगह कम है, उसकी रिपोर्ट उच्चाधिकारियों को भेज दी गई है। आगे जो आदेश मिलेगा उसके तहत बंकर बनाएंगे।
> **केके अत्री, एईई, पीडब्ल्यूडी**

बंकर की छत से टपक रहा पानी : करोल माथरियां के कमल किशोर की पत्नी वंदना देवी ने बताया कि पीडब्ल्यूडी ने जो बंकर बनाया है उसका स्लैब एक फीट मोटा है, इसके बावजूद छत से पानी टपक रहा है। इस कारण वह रात को गोलीबारी के दौरान भी बंकर में नहीं जा सके। अधिकारियों से शिकायत की थी, मगर छत ठीक नहीं हुई। बीडीसी ने इस मामले को उप राज्यपाल के सलाहकार तक पहुंचाने का भरोसा दिया है।

जम्मू में 3141 बंकरों में 1838 बनकर तैयार

जागरण संवाददाता, राजौरी : जम्मू संभाग के राजौरी जिले में ग्रामीण विकास विभाग और लोक निर्माण विभाग द्वारा सीमांत क्षेत्रों में बनाए जा रहे बंकरों की प्रगति को लेकर जिला आयुक्त (डीसी) मुहम्मद नजीर शेख ने अपने कक्ष में संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक की। इस दौरान उन्हें जानकारी दी गई कि जिले में कुल 3141 बंकर बनने हैं, जिनमें से 1838 बनकर तैयार हो गए हैं।

ग्रामीण विकास विभाग के तहत बंकर निर्माण के बारे में बताया गया कि 1892 बंकरों में 1745 व्यक्तिगत और 147 सामुदायिक बंकर बनाए जा रहे हैं। इनमें 306 बंकर नींव स्तर पर हैं। 84 बंकरों का निर्माण कार्य वन विभाग की मंजूरी न मिलने के कारण शुरू नहीं हो पाया है। डीसी ने खंड विकास अधिकारियों से सीमा पर बंकर निर्माण की स्थिति के बारे में एक विस्तृत रिपोर्ट मांगी। राजौरी डिवीजन में लोक निर्माण विभाग द्वारा बंकर निर्माण के बारे में संबंधित अधिकारी ने कहा कि 133 बंकरों में से 61 व्यक्तिगत और 72 सामुदायिक बंकर शामिल हैं। इनमें से 86 बंकर का कार्य पूरा हो चुका है।

नौशहरा डिवीजन में बंकर निर्माण की समीक्षा के दौरान बताया गया कि 1,116 बंकरों में से 638 व्यक्तिगत व 48 सामुदायिक बंकरों का कार्य पूरा हो चुका है। जबकि अन्य का काम चल रहा है। डीसी ने संबंधित अधिकारियों को तय समय सीमा के भीतर कामों को पूरा करने के लिए कहा। उन्होंने इन बंकरों पर काम करते समय गुणवत्ता बनाए रखने का भी आग्रह किया।

न्यूज गैलरी

केरल में मुथूट फाइनेंस के एमडी पर हमला

कोच्चि : केरल में कर्मचारियों की छंटनी के खिलाफ चल रहे आंदोलन के बीच मंगलवार को कुछ लोगों ने मुथूट फाइनेंस कंपनी के दफ्तर के पास ही प्रबंध निदेशक जॉर्ज एलेक्जेंडर के वाहन पर पथराव कर दिया। इस दौरान एक बड़ा पत्थर कार की खिड़की का शीशा तोड़ते हुए एलेक्जेंडर के सिर में लगा और वे घायल हो गए। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। पुलिस ने इस मामले में एक व्यक्ति को हिरासत में लिया है। हालांकि, राज्य के श्रम मंत्री टीपी रामकृष्णन व सीटू नेता ए. आनंदन ने हमले में किसी कर्मचारी के शामिल होने की संभावना से इन्कार किया है। (एजेंसियां)

नक्सलियों ने सड़क निर्माण में लगे दो वाहन फूंके

राजनांदगांव : महाराष्ट्र की सीमा से सटे औंधी थाना से दस किमी दूर ग्राम सरखेड़ा और घोड़ाझरी के बीच 20 से 22 हथियारबंद नक्सलियों ने जमकर उत्पात मचाया। यहां सड़क निर्माण में लगे दो डंपर को नक्सलियों ने आग के हवाले कर दिया। इसके पहले उन्होंने काम में लगे मजदूरों को मारकर भगा दिया। गांवों में दहशत फैलाने के लिए नक्सलियों ने पोस्टर व पर्चे भी फेंके। लंबे समय बाद मानपुर-औंधी क्षेत्र में नक्सल गतिविधि सामने आने को लेकर पुलिस भी हरकत में आ गई। सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक बीएस ध्रुव और नक्सल सेल के एएसपी जीएन बघेल अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। (नईदुनिया)

गोरखपुर में बच्चों की मौत पर तीन सप्ताह में मांगा जवाब

लखनऊ : इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने गोरखपुर के बीआरडी मेडिकल कालेज में 2017 में हुई मासूमों की मौतों की न्यायिक जांच कराने को लेकर दायर याचिका पर जवाब न दाखिल करने पर एतराज जताया है। हालांकि कोर्ट ने राज्य सरकार को फिर से तीन हफ्ते का समय दिया है। यह आदेश जस्टिस पंकज जायसवाल व जस्टिस आलोक माथुर की बेंच ने सेंटर फार सिविल लिबर्टीज नामक संस्था की ओर से दाखिल याचिका पर पारित किया। 2017 में दाखिल याचिका पर कोर्ट ने प्रदेश सरकार के महाधिवक्ता राघवेंद्र सिंह की बहस सुनने के बाद राज्य सरकार को चार हफ्ते में जवाब दाखिल करने का आदेश दिया था। तब से जवाब नहीं दाखिल किया गया। अगली सुनवाई तीन हफ्ते बाद होगी। (विसं)

पीएम ने सुरक्षा और जम्मू कश्मीर में विकास कार्यों की समीक्षा की

नई दिल्ली, प्रेट्र : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को मंत्री परिषद की बैठक में जम्मू-कश्मीर में पिछले छह महीने में कराए गए विकास कार्यों और सुरक्षा क्षेत्र से जुड़े मुद्दों की समीक्षा की। सरकार से जुड़े सूत्रों ने यह जानकारी दी।

सूत्रों ने बताया कि बैठक में जम्मू-कश्मीर में चल रहे विकास कार्यों को लेकर एक प्रेजेंटेशन भी दिया गया। इसमें यह गौर किया गया कि राज्य में अब विकास कार्य तेजी से चल रहे हैं।

इसके अलावा, रक्षा और सुरक्षा क्षेत्र से जुड़े मामलों और रणनीतिक मुद्दों पर भी बैठक में चर्चा की गई। मंत्री परिषद की यह चौथी बैठक थी, जिसमें किसी विशेष मुद्दे पर विस्तार से चर्चा की गई। इस तरह की हर बैठक में शीर्ष सरकारी अधिकारी प्रेजेंटेशन देते हैं। सूत्रों ने बताया कि यह कवायद प्रमुख मंत्रालयों के लिए अगले पांच साल की कार्य योजना तैयार करने का हिस्सा है। सूत्रों के मुताबिक समीक्षा कार्यों को पूरा करने के लिए अगले हफ्ते फिर इस तरह की बैठक हो सकती है। इसमें विकास कार्यों में तेजी लाने पर जोर रहेगा।

बारिश और धुंध के कारण आतंकियों पर अंतिम प्रहार एक दिन और टला

जागरण संवाददाता, राजौरी

घना जंगल, कंपा देने वाली ठंड और उस पर लगातार बारिश के बावजूद नौशहरा के पास जंगल में सुरक्षा बल मुस्तैदी से पाकिस्तानी आतंकियों पर अपना घेरा पल-पल कसते जा रहे हैं। मौसम के कारण इन खूंखार आतंकियों पर अंतिम प्रहार भले ही एकदिन टालना पड़ गया पर अब उनका बच निकलना संभव नहीं है। अगर सब ठीक रहा तो संभव है आठ दिन से जारी यह सर्च ऑपरेशन बुधवार को अंजाम तक पहुंच जाएगा। इस अभियान में अन्य बलों के अलावा सेना की स्पेशल फोर्स के जवान भी डटे हैं। फिलहाल उन आतंकियों की संख्या तीन बताई जा रही है।

यहां बता दें कि 31 दिसंबर की रात बच कर निकलने का प्रयास रहे आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ में सेना के दो जवान शहीद हो गए थे। उसके बावजूद सुरक्षा बलों ने उन्हें घेराबंदी तोड़कर भागने का मौका नहीं दिया। उनकी तलाश में ड्रोन से आसमान से भी नजर रखी जा रही है। नौशहरा के जंगलों में तीन हजार के करीब सेना, स्पेशल फोर्स, पुलिस व सीआरपीएफ के जवान जुटे हुए हैं। आतंकवादियों को दबोचने के लिए सुरक्षा बलों का घेरा कसता जा रहा है और इसका दायरा दस किलोमीटर से घटाकर तीन किलोमीटर कर दिया है।

वीआइपी को निशाना बनाने घुसे हैं आतंकी: नियंत्रण रेखा के पास से घुसपैठ कर आए तीन पाकिस्तानी आतंकी जम्मू-कश्मीर में फिर से दहशत फैलाना चाहते हैं। पाकिस्तान में बैठे आकाओं ने करीब 10 दिन पहले वीआइपी को निशाना बनाने के लिए घुसाया था। सुरक्षा बलों से जुड़े सूत्रों के अनुसार इन तीनों आतंकवादियों को लेने कालाकोट के एक गांव से गाइड भी आने वाला था, लेकिन जैसे ही उसे इनके मंसूबों की जानकारी मिली तो वह घबरा गया और उन्हें लेने ही नहीं पहुंचा। नियंत्रण रेखा से चलकर यह करीब 20 किलोमीटर अंदर भी पहुंच गए और फिर अपना रास्ता भटक गए। उसके बाद सुरक्षा बलों की घेरेबंदी से निकल नहीं पाए।

पठान है इनका कमांडर : सूत्रों की माने तो तीनों आतंकी पाकिस्तान के रहने वाले हैं। इनका कमांडर करीब 35 वर्ष का एक पठान है और वही इन हमलों की पूरी साजिश के साथ आया है।

नईदुनिया व मिडडे को 'अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मीडिया सम्मान'

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

जागरण समूह के दो समाचारपत्रों नईदुनिया और मिडडे गुजराती को प्रथम अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मीडिया सम्मान से नवाजा गया। मंगलवार को नई दिल्ली में आयोजित सम्मान समारोह में सूचना और प्रसारण मंत्री प्रकाश जावडेकर और आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीपद येसो नाइक ने यह सम्मान प्रदान किए। समारोह को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री जावडेकर ने कहा कि यह पुरस्कार ऐसे मीडिया संस्थानों के सराहनीय प्रयासों को मान्यता देने का अभिनव उपक्रम है, जो समाचारों, विचारों और विज्ञापनों की दुनिया से परे भी समाज के व्यापक हितों की पूर्ति में मिशन मोड में रत हैं। पुरस्कारों के लिए गठित निर्णायक मंडल के अध्यक्ष भारतीय प्रेस परिषद के अध्यक्ष न्यायमूर्ति सीके प्रसाद थे। नईदुनिया और मिडडे ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के क्रम में योग के प्रति जनजागरूकता को विस्तार देने के लिए जो प्रयास किए, उन्हें इस सम्मान का हकदार माना गया।

नई दिल्ली में मंगलवार को नईदुनिया के ऑपरेशंस हेड नरेश पांडे को सम्मान प्रदान करते केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री प्रकाश जावडेकर। पीआइबी

इल्तिजा मुफ्ती को नाना की मजार पर जाने की नहीं मिली इजाजत

राज्य ब्यूरो, श्रीनगर

पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती की बेटी इल्तिजा मुफ्ती को मंगलवार प्रशासन ने उनके नाना स्व. मुफ्ती मोहम्मद सईद की चौथी बरसी पर श्रद्धांजलि अर्पित करने की इजाजत नहीं दी। इससे गुस्साई इल्तिजा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राज्य प्रशासन को आड़े हाथ लिया। उन्होंने प्रशासन से अपनी स्पेशल सिक्योरिटी ग्रुप (एसएसजी) सुरक्षा हटाने के लिए जोर दिया।

इल्तिजा ने कहा कि यह सुरक्षा कवच मेरी और मेरे परिवार के अन्य सदस्यों की गतिविधियों पर निगरानी रखने और उन पर पाबंदी लगाने का एक जरिया बन गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस अधिकारी उन्हें प्रताड़ित कर रहे हैं। मंगलवार को भी पुलिसकर्मियों ने उनके साथ मारपीट का प्रयास किया है। इल्तिजा ने आरोप लगाया कि आतंकियों द्वारा 1989 में अगवा डॉ. रुबिया सईद की सुरक्षा भी प्रशासन ने वापस ले उनकी जान को खतरे में डाल दिया है।

मजार पर पहुंचे सिर्फ दो लोग : पूर्व केंद्रीय गृहमंत्री और जम्मू कश्मीर के दो बार मुख्यमंत्री रह चुके स्व. मुफ्ती मोहम्मद सईद के मजार पर उनके दो ही रिश्तेदार पहुंच सके। इनमें एक उनके चाचा बताए जाते हैं। मुफ्ती मोहम्मद सईद का सात जनवरी 2016 को देहांत हो गया था। हालांकि इल्तिजा ने सोमवार शाम दावा किया था कि उन्हें और परिवार के कुछ करीबी सदस्यों को बिजबिहाड़ा के दाराशिकोह बाग में मुफ्ती मोहम्मद सईद की कब्र पर श्रद्धांजलि अर्पित करने की अनुमति मिल गई है, लेकिन जिला उपायुक्त अनंतनाग खालिद जहांगीर ने साफ कर दिया था कि इस संदर्भ में अंतिम फैसला तात्कालिक परिस्थितियों के आधार पर ही लिया जाएगा।

इल्तिजा मुफ्ती। फाइल

जम्मू-कश्मीर में मिलने लगा नए सियासी मोर्चे का संकेत

राज्य ब्यूरो, जम्मू

- पीडीपी में जारी अंतर्कलह के बीच आठ वरिष्ठ नेताओं ने उपराज्यपाल जीसी मुर्मू से की मुलाकात

केंद्र शासित जम्मू कश्मीर में नए सियासी मोर्चे के संकेत मिलने शुरू हो गए हैं। मंगलवार को पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) में जारी अंतर्कलह के बीच पूर्व वित्तमंत्री सईद अल्ताफ बुखारी के नेतृत्व में आठ वरिष्ठ नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने उपराज्यपाल जीसी मुर्मू से मुलाकात की। इस आठ सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल में पीडीपी के पांच पूर्व विधायक, एक पूर्व एमएलसी, एक पीडीपी से निष्कासित पूर्व मंत्री और डेमोक्रेटिक पार्टी नेशनलिस्ट के अध्यक्ष (कभी पीडीपी का ही हिस्सा) शामिल थे। इन नेताओं ने सभी राजनीतिक बंदियों की रिहाई, जम्मू कश्मीर के लिए पूर्ण राज्य का दर्जा, स्थानीय लोगों के सामाजिक-आर्थिक और जमीन के मालिकाना अधिकार संबंधी विभिन्न अधिकारों के संरक्षण को यकीनी बनाने की मांग को लेकर एक ज्ञापन भी उपराज्यपाल को सौंपा।

स्थानीय सियासी हलकों में आठ नेताओं की उपराज्यपाल से मुलाकात को केंद्र व जम्मू कश्मीर प्रशासन के बीच पहला खुला संवाद माना जा रहा है। बीते पांच माह के दौरान पहली बार किसी गैर भाजपा और मुख्यधारा के दल के नेताओं के प्रतिनिधिमंडल ने उपराज्यपाल से मुलाकात की है। जम्मू कश्मीर में अगले कुछ महीनों में विधानसभा चुनाव कराए जाने के केंद्र सरकार के इरादों को देखते हुए यह मुलाकात बेहद अहम मानी जा रही है।

कौन कौन था मुलाकात में शामिल : उपराज्यपाल के साथ इस मुलाकात को ज्यादा तूल न दिया जाता। अगर इसमें पीडीपी के निष्कासित अल्ताफ बुखारी और महबूबा मुफ्ती के खिलाफ बगावत का झंडा बुलंद करने वाले बारामुला के पूर्व विधायक जावेद हसन बेग और पूर्व कृषि मंत्री गुलाम हसन मीर शामिल नहीं होते। जावेद हसन बेग पूर्व उपमुख्यमंत्री और पीडीपी के संरक्षक मुजफ्फर हुसैन बेग के भतीजे हैं। वहीं, प्रतिनिधिमंडल में शामिल डेमोक्रेटिक पार्टी नेशनलिस्ट के अध्यक्ष और पूर्व कृषि मंत्री गुलाम हसन मीर भी पीडीपी के संस्थापक सदस्यों में एक रहे हैं। प्रतिनिधिमंडल में शामिल अन्य सदस्यों में पीडीपी के चार पूर्व विधायक मोहम्मद दिलावर मीर, चौधरी कमर हुसैन, नूर मोहम्मद शेख और राजा मंजूर अहमद के अलावा एक पूर्व एमएलसी जफर इकबाल मन्हास शामिल थे।

हम किसी दल विशेष के एजेंडे को लेकर नहीं मिले : पीडीपी से निष्कासित अल्ताफ बुखारी बीते तीन माह से ही केंद्र शासित जम्मू कश्मीर राज्य में एक नए सियासी मोर्चे के गठन में सक्रिय नजर आ रहे हैं। इसी कवायद के तहत वह गत दिनों दिल्ली, मुंबई और जम्मू में भी अपने पुराने संपर्क सूत्रों के साथ बैठकों में व्यस्त रहे हैं। अल्ताफ बुखारी ने उपराज्यपाल के साथ अपनी मुलाकात पर कहा कि जब सियासी लोग किसी से मिलने जाएंगे तो सियासी मुद्दों पर ही बातचीत करेंगे। खैर, हमने उपराज्यपाल को अनुच्छेद 370 को समाप्त किए जाने के बाद जम्मू-कश्मीर के लोगों में जो भ्रम, असुरक्षा और चिंता का भाव है, उन्हें दूर करने पर जोर दिया है। हम किसी दल विशेष के एजेंडे को लेकर नहीं मिले हैं।

सियासत में कुछ भी असंभव नहीं : पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी के असंतुष्ट और निष्कासित नेताओं के उपराज्यपाल जीसी मुर्मू से मिलने पर पूर्व कृषि मंत्री गुलाम हसन मीर ने कहा कि हम सभी का एजेंडा एक ही था। एकसाथ मिलकर ही अपनी बात को जोरदार तरीके से रखा जा सकता है। नए सियासी मोर्चे की संभावना पर उन्होंने कहा कि सियासत में कुछ भी असंभव नहीं है। जल्द ही स्थिति साफ हो जाएगी।

ज्ञापन में की मांगें

- सभी राजनीतिक बंदियों की रिहाई।
- जम्मू कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा।
- विधान परिषद के गठन की मांग।
- पत्थरबाजी में लिप्त युवाओं के खिलाफ एफआइआर वापस ली जाए।
- सामाजिक, आर्थिक रूप से पिछड़े लोगों, कला-संस्कृति, भाषा, साहित्य व खेल जगत से जुड़े लोगों के लिए आरक्षण।
- स्थानीय लोगों के सामाजिक, राजनीतिक व आर्थिक हितों की सुरक्षा के लिए हिमाचल प्रदेश की तरह विशेष प्रावधान व डोमिसाइल की सुविधा।
- जम्मू-कश्मीर बैंक की प्रक्रियात्मक स्वायत्तता, कृषि एवं बागवानी क्षेत्र की पुनर्बहाली, उद्योग एवं निर्माण क्षेत्र व संबंधित गतिविधियों को मजबूती।
- इंटरनेट सेवाओं की बहाली, बंद से प्रभावित दुकानदारों, बस चालकों, टैक्सी ऑपरेटरों के लिए राहत पैकेज।

सख्ती

मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिले में आयु के दस्तावेज लिए बिना शादियां कराई तो होगी कार्रवाई

बाल विवाह कराने पर पंडित को भी होगी जेल

राजेश शर्मा, राजगढ़

मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिले में बाल विवाह रोकने के लिए जिला प्रशासन द्वारा एक बार फिर से प्रयास किए जा रहे हैं। अब जन्म प्रमाण पत्र या आयु को प्रमाणित करने वाले दस्तावेज देखे बगैर यदि शादियां कराई गईं, तो ऐसे पंडितों व विवाह कराने वालों पर भादंवि की धारा 188 (शासकीय आदेश के उल्लंघन) के तहत कार्रवाई की जाएगी। इस धारा में आरोपित को दोषी पाए जाने पर एक माह की जेल या जुर्माने का प्रावधान है।

प्रशासन पहले देगा समझाइश : राजगढ़ जिला प्रशासन सभी पंडितों को बाल विवाह नहीं कराने की समझाइश देते हुए बुधवार को पत्र लिखेगा। एक दिन पूर्व नातरा कुप्रथा को लेकर हुई कार्यशाला में कलेक्टर निधि निवेदिता ने कहा था कि बाल विवाह न हो, इसके लिए सभी समाज प्रमुख, शादियां कराने वालों सहित सभी जिम्मेदार लोग सजग हो जाएं। उन्होंने सभी एसडीएम को निर्देश दिए थे कि लोगों को सचेत कर दें।

नातरा व झगड़े की मूल वजह है बाल विवाह : प्रशासन का मानना है कि बाल विवाह ही नातरा और झगड़े का मूल कारण है। कलेक्टर के निर्देश पर सभी एसडीएम अपने क्षेत्र के विवाह कराने वाले पंडितों, मंदिरों पर विवाह की पाती लिखने वालों को बुधवार से पत्र लिखेंगे। उन्हें हिदायत दी जाएगी कि कोई भी विवाह वर-वधु के जन्म-प्रमाण पत्र या आयु को प्रमाणित करने वाले दस्तावेज देखकर ही कराएं।

जालपा माता मंदिर की पाती पर भी शिकंजा

क्षेत्र के जिन लोगों के विवाह के मुहूर्त नहीं निकलते हैं, वे राजगढ़ जिले के जालपा माता मंदिर की पाती के आधार पर विवाह कर लेते हैं। अब इस मंदिर पर भी विवाह की पाती लिखने वालों को भी वर-वधु की आयु की जांच करना होगी। उल्लेखनीय है कि राजगढ़ जिले में हर साल बड़ी संख्या में बाल विवाह होते हैं। इस कारण कुछ समाजों में नातरा (दूसरा विवाह) एवं झगड़े की स्थिति बनती है।

प्रतीकात्मक

> बाल विवाह रोकने के लिए हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं। पंडितों और विवाह कराने वालों को कोई भी शादी कराने से पहले वर-वधु के जन्म प्रमाण पत्र या आयु प्रमाणित करने वाले दस्तावेज जांचने का निर्देश दिया गया है। यदि कहीं नाबालिग का विवाह हुआ, तो संबंधित पंडित, व्यवस्थापक आदि पर धारा 188 की कार्रवाई की जाएगी।
> **-संदीप अस्थाना, एसडीएम, राजगढ़**

बंगाल में पुलिया की पाइप में डालकर 17 साल की लड़की को जला दिया

जेएनएन, कोलकाता : बंगाल के दक्षिण दिनाजपुर जिले में पुलिया की पाइप में डालकर 17 वर्षीय किशोरी को जला देने का मामला सामने आया है। पुलिस मौके पर पहुंची तो उस लड़की की पहचान की गई। मृतका के स्वजनों को आशंका है कि उसे सामूहिक दुष्कर्म के बाद जलाया गया है। जिले के पुलिस अधीक्षक देवर्षी दत्ता का कहना है कि मृतका के जले हुए शरीर पर चोट के निशान भी मिले हैं। पुलिस ने संदेह के आधार पर तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट मिलने के बाद ही कहा जा सकता है कि लड़की के साथ दुष्कर्म हुआ है या नहीं।

मृतका के भाई का कहना है कि वह रविवार दोपहर को पास की दुकान से सामान लेने गई थी, उसके बाद से लापता थी। लड़की की जली हुई लाश मिलने के बाद लोग आक्रोषित है। स्थानीय भाजपा सांसद सुकांत मजूमदार ने दोषियों को न पकड़े जाने पर आंदोलन की धमकी दी है।

कोलकाता में अवैध हथियार फैक्ट्री का भंडाफोड़, एक गिरफ्तार

जागरण संवाददाता, कोलकाता

- मकान में लोहे के पुर्जे तैयार करने की आड़ में चल रहा था अवैध कारोबार
- पिस्तौल व मैगजीन समेत अधबने हथियार उपकरण समेत अन्य सामान बरामद

कोलकाता में पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। अवैध हथियार बनाने के कारखाने का भंडाफोड़ करते हुए कारीगर को गिरफ्तार किया गया है। मौके से एक तैयार पिस्तौल, मैगजीन तथा अर्धनिर्मित हथियार समेत उपकरण बरामद किए गए हैं।

मकान मालिक और अन्य कर्मचारी फरार होने में सफल रहे। पुलिस ने आरोपित के खिलाफ मामला दर्ज कर पूछताछ शुरू कर दी है। सूत्रों के अनुसार मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने संयुक्त रूप से सोमवार रात करीब 1.30 बजे नदियाल की एक इमारत में छापेमारी की, जहां पर लोहे के पुर्जे तैयार करने की आड़ में अवैध रूप से मुंगेर ब्रांड के हथियार बनाए जा रहे थे। पुलिस ने रंगे हाथों एक शख्स को गिरफ्तार कर लिया। मौके से तैयार एक 7एमएम की पिस्तौल, मैगजीन, दो सेमी मैगजीन, एक बैरल, अर्धनिर्मित हथियार के साथ ही हथियार बनाने के उपकरण समेत अन्य सामान जब्त किए गए। पूछताछ में आरोपित ने अपना नाम अब्दुल कयूम (28) (निवासी मुंगेर, बिहार) बताया है। आरोपित उक्त थाना क्षेत्र के अयुबनगर में चाइना मैरिज हॉल के पास किराये के मकान में रहता था। छापेमारी की भनक लगते ही मकान मालिक मोहम्मद कलीम पुत्र मोहम्मद नईम और उसके अन्य कर्मचारी फरार होने में कामयाब रहे। आरोपित के खिलाफ आर्म्स एक्ट में मामला दर्ज किया गया है। आरोपित ने बताया कि मकान मालिक मोहम्मद कलीम की देखरेख में अवैध हथियार तैयार किया जाता था। इसके बाद उसे उत्तर व दक्षिण 24 परगना जिले के इलाकों में सप्लाई किया जाता था।